ASU NEWS-LETTER

Vol. 2 No. 1 — **January - February 2017**

Allahabad State University
CPI Campus,
Mahatma Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad- 211001. U.P. India.
Website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph. (O) 0532- 2256206
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No.: +91- 8004915375
Ph (O): 0532- 2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

Sanjay Kumar
Registrar
Mobile No. +91-9415196266
Ph (O): 0532- 2256207
email: registrarasua@gmail.com

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

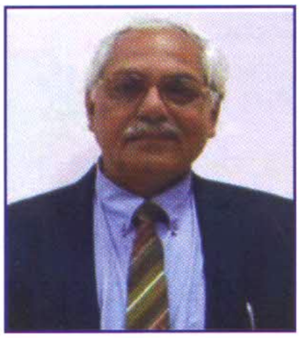

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद अपने सर्वांगीण विकास के मार्ग पर अग्रसर है। समस्त विश्वविद्यालय परिवार नूतन वर्ष 2017 में सीमित संसाधनों के बावजूद सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता की मिसाल कायम रखते हुए शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों को गतिमान बनाये रखने हेतु कटिबद्ध है। यह विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय एवं बहुअनुशासनात्मक स्वरूप प्राप्त करे, इस आशा और विश्वास के साथ आधारीय संरचना एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास का प्रयास जारी है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा नैनी स्थित यू0पी0एस0आई0डी0सी0 द्वारा आवंटित भूमि पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है।

पठन–पाठन और उच्चस्तरीय ज्ञान–विज्ञानार्जन हेतु श्रीमद् भगवद् गीता के कालजयी उद्घोष **"न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते"** को इस विश्वविद्यालय ने प्रतीक–चिह्न के रूप में अंगीकार कर लिया है। तत्क्रम में सी0पी0आई0 आवासीय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की पूर्णता, द्वि–दिवसीय पुस्तक मेला, "शब्दोत्सव–2017" एवं कवि सम्मेलन, विद्यार्थियों के कार्यक्रम "दीपायन–2017" जैसे आयोजनों से नये बौद्धिक स्पंदन का आगाज हो चुका है। सम्बद्ध महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय के दिशा–निर्देशों के अनुरूप पठन–पाठन और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को संचालित करने हेतु निरन्तर प्रोत्साहित किया जा रहा है। फलतः इलाहाबाद मण्डल के अन्तर्गत स्थित कई महाविद्यालयों ने समकालीन विषयों पर राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया है। परिसर के बाहर भी इस विश्वविद्यालय की अकादमिक सक्रियता बनी हुई है। खासतौर से "टाउन और गाउन" की उदात्त परम्परा कायम करने में हम पीछे नहीं रहते।

इस बीच हमने सेमेस्टर परीक्षाओं को शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराकर परिणाम घोषित किया है। तत्क्रम में सत्र 2016–17 की वार्षिक परीक्षायें मार्च–2017 में प्रारम्भ हो जायेंगी, जिनके परिणाम ससमय घोषित करने की "कार्ययोजना" तैयार कर ली गई है।।

शुभकामनाओं सहित,

R Prasad

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

- श्रीमद्भगवद्गीता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का 'लोगो' जारी

नाम, चिन्ह, आदर्श वाक्य और रंगों को सहेजता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का 'लोगो' जारी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के कार्य परिषद द्वारा स्वीकृत प्रतीक चिन्ह में ज्ञान–विज्ञान के सतत् विकास को दर्शाया गया है। भविष्य में यही निशान विश्वविद्यालय के अकादमिक–प्रशासनिक कार्य में प्रयोग किया जाएगा। प्रतीक चिन्ह में पवित्र गीता के श्लोक 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' को सहेजा गया है। इसका अर्थ निश्चित रूप से इस लोक में ज्ञान के समान पवित्र और कुछ भी नहीं है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के इस प्रतीक में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की जल धाराओं को समाहित किया गया है। यह ज्ञान–विज्ञान के सतत् विकास का प्रतीक है। इसमें 24 तीलियां हैं जो ज्ञान लोक के विस्तारण की द्योतक हैं। हाथ पर संसार का ग्लोब है जो सम्पूर्ण संसार को ज्ञान लोक से परिव्याप्त एव संप्राप्त कर लेने का बोधक है। नीला आधार अनंत ज्ञान और निस्सीम अंबर का बोधक है। इसमें नौ रंगों का मिश्रण है। नीला–कला संकाय, नारंगी–विज्ञान, श्वेत–शिक्षा, धूसर (ग्रे)–वाणिज्य एवं प्रबंधन, काला–विधि, हरा–कृषि विज्ञान, लाल–चिकित्सा, आसमानी–अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी और नारंगी–आयुर्वेद, होम्योपैथिक और चिकित्सा विद्या शाखा के महत्व को रेखांकित करते हैं। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि कार्यपरिषद द्वारा स्वीकृत यह विशेष 'लोगो' ज्ञान–विज्ञान का स्रोत है।

इस विश्वविद्यालय के सूत्र–वाक्य में गीता के श्लोक को समाहित किया गया है, जो यह उद्घोष कर रहा है कि निश्चित रूप से ज्ञान की पवित्रता अद्वितीय है। यह विश्वविद्यालय एवं इससे संबद्ध 548 महाविद्यालयों के अकादमिक और प्रशासनिक कार्यों में प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के भवन का शिलान्यास उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव कर चुके हैं। जल्द ही 12 विद्या शाखाओं और 144 विभागों के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों को विस्तार दिया जाएगा। पहले चरण में ह्युमेनिटीज, सोशल साइंसेज, इंटरनेशलन स्टडीज, कॉमर्स एवं प्रबंधन से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किये जायेंगे। अगले दो चरणों में शेष विद्याशाखाओं में पठन–पाठन और शोध कार्यक्रम प्रारम्भ हो जायेंगे।

सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज, नई दिल्ली का परिभ्रमण एवं वार्ता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने 6 जनवरी, 2017 को 'सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज (क्लाज), नई दिल्ली का परिभ्रमण किया और इस क्रम में राज्य विश्वविद्यालय एवं क्लाज के बीच पूर्व में हस्ताक्षरित **Memorandum of Understanding (MoU)** को क्रियान्वित करने के लिए क्लाज के निदेशक प्रख्यात रक्षा विशेषज्ञ जनरल बी0एस0नागल से विचार–विमर्श किया। इस अवसर पर क्लाज के अन्य विशेषज्ञ मौजूद थे। यह तय किया गया कि दोनों पक्षों के विशेषज्ञ राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विकास सम्बंधी शोध कार्यो में सहयोग करेंगे और परिचर्चा एव संगोष्ठियाँ आदि आयोजित की जायेंगी।

उच्चस्तरीय अध्ययन हेतु 'पाठ्यक्रम विकास' का रोडमैप

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में बदलती परिस्थितियों में भारतीय समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न विषयों के 'पाठ्यक्रम विकास' पर गम्भीर चिन्तन और मनन जारी है। इसके लिए विश्वस्तरीय मानक और माडल अपनाये जाने के लिए विशेषज्ञों के बहुमूल्य सुझाव और संस्तुतियों को विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम समितियों की बैठकों के माध्यम से मूर्तरूप दिया जा रहा है। इस प्रकार विभिन्न चरणों में विश्वस्तरीय, बहुअनुशासनात्मक एवं लोकोपयोगी ज्ञान–विज्ञान और विद्या शाखाओं के पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development) का रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम द्वारा नैनी स्थित भूमि पर निर्माण कार्यों का शुभारम्भ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के नैनी स्थित भूमि पर मुख्य परिसर के निर्माण व विकास हेतु उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने विगत 20 नवम्बर, 2016 को शिलान्यास किया था। यह भूमि यू.पी.एस.आई.डी.सी. द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन के माध्यम से इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को परिसर विकास के लिए आवंटित की गयी है, जिस पर कार्यदायी संस्था ''उ0 प्र0 राजकीय निर्माण निगम'' ने निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रथम गणतंत्र दिवस समारोह

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद के प्रशासनिक भवन परिसर में दिनांक 26 जनवरी, 2017 गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रातः 8:00 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् आने वाला प्रथम गणतंत्र दिवस था। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षणगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस क्रम में 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन के प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को कुलपति प्रो0 प्रसाद द्वारा सर्टिफिकेट दिये गये, जिससे छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़े और वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन कर अपना अमूल्य योगदान दें। कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा ने किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक, कुलसचिव श्री संजय कुमार और वित्त अधिकारी श्री डी0पी0त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों की झलकियाँ

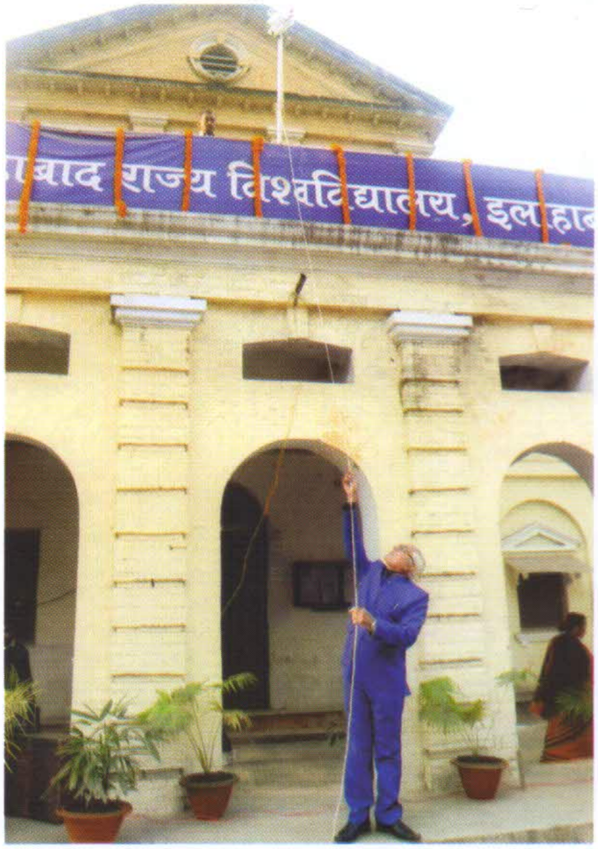

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में पुस्तक मेला

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 14, 15, 16 फरवरी, 2017 तक चलने वाले त्रि–दिवसीय पुस्तक मेले का उद्‌घाटन हुआ।

सीपीआई कैंपस में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें प्रमुख रूप से कला, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान, वाणिज्य, विधि आदि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के साधनों के बावजूद छात्रों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़नी चाहिए। पुस्तकों के ज्ञान से भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, छात्रों के ज्ञानार्जन के लिए पुस्तकों की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में प्रो.जे.एन. पाल, कुलसचिव संजय कुमार, उप कुलसविच दीप्ति मिश्रा, वित्त अधिकारी धर्मेन्द्र त्रिपाठी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन 'शब्दोत्सव-2017' के साथ त्रि-दिवसीय पुस्तक मेले का हुआ समापन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित त्रि-दिवसीय पुस्तक मेले का समापन गुरूवार को हुआ। कवि सम्मेलन 'शब्दोत्सव–2017' में जुटे रचनाकारों ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम में जुटे कवियों और शायरों को कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने स्मृति चिह्न और उत्तरीय देकर सम्मानित किया।

नायाब बलियावी ने पढ़ा..... नबी के शहर को जगमग का शहर कहते हैं, इलाहाबाद को संगम का शहर कहते हैं।

शैलेंद्र मधुर ने सुनाया.... वो एक भी खिताब के लायक नहीं रहे, मैं जिनकी बद्दुआ से खिताबों के बीच हूँ।

जावेद शोहरत ने पढ़ा.... किस भरोसे पे समंदर से बगावत कर लूं, जब मेरी प्यास ही आवारा हुई जाती है।

नजर इलाहाबादी ने मैं मुल्क की किस्मत सदा आबाद लिखता हूं, इबादत में हमेशा अमर आजाद लिखता हूं।

कवयित्री गीता आभा श्रीवास्तव ने सुनाया... आ जाओ मेरी खातिर तुम कोई बहाने से, है सूनी पड़ी गलियां इक तेरे न आने से।

अमित जौनपुरी ने पढ़ा.... अब मिलना है कठिन उन्हीं से वोट दिया हमने जिनको।

शाहिद सफर ने ये अदालत ये गवाही ये वकीलों का मिजाज, उम्र गुजरी यहां आखिरी सुनवाई तक।

राकेश ने पढ़ा..... दिल भी क्या क्या ख्वाहिश करता रहता है।

वित्तीय क्रियाकलाप

श्री डी0 पी0 त्रिपाठी
वित्त अधिकारी
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

1. शासनादेश संख्या 587/70–4–2016–295, दिनांक 27 मई, 2015 द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरने हेतु स्वीकृत किये गये कुल शिक्षणेत्तर पदों (संख्या–62) के अनुरूप उ0प्र0 लघु उद्योग निगम (शासकीय प्रतिष्ठान) द्वारा अक्टूबर माह में सेवा देने हेतु चयनित कार्मिकों का देयक भुगतान हेतु इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद को प्रेषित किया गया।
2. सेमेस्टर परीक्षा के अन्तर्गत पाठ्यक्रमवार परीक्षा शुल्क, क्रीड़ा शुल्क, नामांकन शुल्क आदि को सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा आनॅलाइन व्यवस्था के अन्तर्गत विश्वविद्यालय खाते में जमा कराया गया।
3. महाविद्यालयों से डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्राप्त सम्बद्धता शुल्क आदि की समस्त धनराशियों को विश्वविद्यालय खाते में जमा कराया गया। इसके अतिरिक्त विविध आय के रूप में डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्राप्त अन्य समस्त आय को भी विश्वविद्यालय के खाते में जमा कराया गया।
4. शासनादेश संख्या 51/70–4–2017–बी–5/2016, दिनांक 03 जनवरी, 2017 के माध्यम से नव स्थापित विश्वविद्यालय भवन निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त की गई प्रथम किश्त की धनराशि को कोषागार से आहरण कर शासन द्वारा नामित एजेन्सी को स्थानान्तरित किया गया।
5. शासनादेश संख्या 19/2016/1763/70–4–2016, दिनांक 29 दिसम्बर, 2016 द्वारा यू.पी.एस. आई.डी.सी. से भूमि क्रय हेतु अवमुक्त की गई धनराशि को नियमानुसार कोषागार से आहरण कर बुक समायोजन के माध्यम से शासन के निर्देशानुसार स्थानान्तरित किया गया।
6. नव स्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कर्मचारियों के भविष्य निर्वाह निधि के अनुरक्षण/लेन–देन हेतु शासन द्वारा लेखाशीर्ष निर्धारित न होने के कारण इस सम्बन्ध में लेखाशीर्ष शीघ्र निर्धारित करने हेतु शासन से अनुरोध किया गया।
7. शासन द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों के माध्यम से शैक्षिक सेवायें लिये जाने हेतु प्रदान की गयी स्वीकृति के अनुरूप पुनर्नियुक्त हुए शिक्षकों का वेतन नियमानुसार निर्धारित कर भुगतान किया गया।
8. स्रोत/उद्‌गम स्थान पर कर कटौती के अधीन नियमानुसार देय आयकर की कटौती कर अगले कार्य दिवस में केन्द्र सरकार के खाते में जमा कराया गया।

राज्य विश्वविद्यालय की सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाएँ

श्री संजय कुमार
कुलसचिव / परीक्षा नियंत्रक
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षायें 8 जनवरी, 2017 को प्रारम्भ होकर 25 जनवरी, 2017 को समाप्त हुईं। समस्त उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ससमय कराते हुए 15 फरवरी, 2017 तक परीक्षाफल घोषित किये जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय की वर्ष 2016–17 की स्नातक एवं परास्नातक स्तर की संस्थागत / व्यक्तिगत एवं एकल विषय परीक्षार्थियों की वार्षिक परीक्षायें 27 मार्च, 2017 से प्रारम्भ होकर 24 मई, 2017 तक सम्पन्न होंगी। सम्बन्धित परीक्षा कार्यक्रम ससमय घोषित किया जा चुका है। परीक्षा समिति की बैठक 10 मार्च एवं 16 मार्च 2017 में लिए गये निर्णय के क्रम में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अनुदानित, राजकीय, महिला महाविद्यालय एवं प्रथम वर्ष में 250 से अधिक छात्र संख्या वाले महाविद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाते हुए परीक्षायें सम्पन्न होंगी। परीक्षाओं को शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से कराने के उद्देश्य से बनाये गये नोडल केन्द्रों एवं परीक्षा केन्द्रों की सी0सी0टी0वी0 एवं मोबाइल–जी0पी0एस0 ट्रैकिंग की व्यवस्था एवं सचल दलों का गठन किया जाना भी सुनिश्चित किया गया है। दिनांक 4 अप्रैल, 2017 से विश्वविद्यालय परिसर एवं महिला सेवा सदन महाविद्यालय परिसर में केन्द्रीय मूल्यांकन प्रारम्भ कराते हुए 30 जून, 2017 तक परीक्षाफल घोषित किये जाने की 'कार्ययोजना' है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से सम्बद्ध महाविद्यालयों में विभिन्न आयोजनों एवं गोष्ठियों को प्रोत्साहन

1. महात्मा गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ''राष्ट्र निर्माण में शिक्षा, समाज और छात्रों की भूमिका'' विषयक संगोष्ठी का उद्घाटन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से सम्बद्ध महात्मा गांधी स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, फतेहपुर में 8 जनवरी, 2017 को एक भव्य सांस्कृतिक समारोह एवं ''राष्ट्र निर्माण में शिक्षा, समाज और छात्रों की भूमिका'' विषय पर एक विशाल गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक समारोह एवं गोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीआईएसएफ के कमाण्डेन्ट बृजभूषण उपस्थित रहे। प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का महाविद्यालय परिसर में पहुँचने पर प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। उन्हें सीआईएससफ के जवानों ने गॉर्ड ऑफ ऑनर पेश किया तथा एनसीसी के छात्र–छात्राओं ने सलामी दी। मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने 'राष्ट्र निर्माण में शिक्षा, समाज और छात्रों की भूमिका' पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अतिवाद से बचने की वकालत करते हुए प्रगतिशील विचारधारा से जुड़ने पर बल दिया तथा वैश्विक दृष्टिकोण को स्थानीय अमल के साथ अपनाने की सलाह दी। उन्होंने शिक्षा के निजीकरण के दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए इसे व्यापार बनाने से रोकने पर जोर दिया तथा नकल पर लगाम लगाने की बात कही। परम्परा को उद्धृत करते हुए प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने शिक्षकों और छात्रों को अपने दायित्वों के प्रति सजग रहने के लिये सचेत किया। छात्र–छात्राओं ने एक अनूठी प्रस्तुति के तहत भारत की विभिन्न भाषाओं जैसे हिन्दी, गुजराती, पंजाबी, तेलगू, बंगाली, उर्दू आदि में मंचासीन अतिथियों का अभिनंदन किया। अतिथियों के सामने ताईक्वाण्डो प्रशिक्षण प्राप्त चुनिन्दा छात्र–छात्राओं ने ताईक्वाण्डो कला का दक्षतापूर्ण प्रदर्शन भी किया।

2. ''नव–राजनीतिक परिवेश में लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ एवं समाधान'' विषयक संगोष्ठी उद्‌घाटन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध स्वामी करपात्री जी महाराज राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय', पूरेगोसांई, रानीगंज, प्रतापगढ़ में ''नव–राजनीतिक परिवेश में लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ एवं समाधान'' विषयक दो दिवसीय (28–29 जनवरी, 2017) संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्‌घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भारतीय संस्कृति लोकतंत्र की आत्मा है। बिना भावात्मक एकता के लोकतंत्र की वास्तविक प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है। भारतीय लोकतंत्र विविधताओं में समन्वय का प्रतीक है। इस देश के युवा लोकतंत्र के भविष्य हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इतिहासकार डॉ. लालजी त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र अत्यंत सशक्त और समावेशी है।

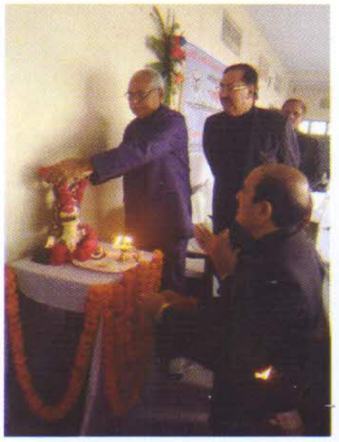

3. वैष्णव देवी प्रशिक्षण संस्थान, गोंदाई, प्रतापगढ़

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से सम्बद्ध वैष्णव देवी प्रशिक्षण संस्थान, गोंदाई, कुण्डा, प्रतापगढ़ द्वारा दिनांक 1 फरवरी 2017 को आयोजित वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने भाग लिया। दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात् उन्होंने कहा की शिक्षा और संस्कार से ही विकास के सारे ताले खुलते हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और बच्चों में पिरोया जाने वाला संस्कार ही उनको आगे बढ़ाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक, क्षेत्रीय राजनीतिक प्रतिनिधि, प्रेस और इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

4– शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नॉलोजी में द्वि–दिवसीय सेमिनार का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 'शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी' में कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया, इलाहाबाद चैप्टर के सहयोग से ''इनोवेशन इन डिजिटल लर्निंग'' पर दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वाइस–चांसलर, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने दीप जलाकर संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा नवाचार और सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा तेजी से आगे बढ़ सकती है। 11 फरवरी 2017 को उद्घाटन सत्र में अपने सम्बोधन में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने विस्तार से अपने विचार रखे । डिजिटल शिक्षा में नवाचार शीर्षक कार्यक्रम में एनालॉग से लेकर डिजिटल तकनीक के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई।

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि इंट्रानेट और इंटरनेट से ज्ञान नहीं बढ़ता। खुद में ज्ञान बढ़ाने के लिए शिक्षकों का निर्देश और स्वयं में जिज्ञासा का होना आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय में नवाचार उसे विशिष्ट बनाता है। शिक्षार्थियों को नवाचार से सदैव जुड़ा रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान इलाहाबाद के निदेशक प्रो0 राजीव त्रिपाठी ने कहा कि आज तकनीकी के युग में सभी को साइबर सिक्युरिटी का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा अब समय एनालॉग से डिजिटल तक आ पहुंचा है। सूचना प्रौद्योगिकी के युग में साइबर सिक्युरिटी का खतरा भी तेजी से बढ़ गया है। तकनीकी बहुत तेजी से बदल रही है। हमें अपना व्यवहार भी बदलना चाहिए।

उद्घाटन सत्र के दौरान कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद एवं अन्य

आधुनिक टेक्नोलॉजी से अपडेट रहना आवश्यक है। एम.एन.एन.आइटी के प्रो0 एम.एम. गोरे ने कहा कि डिजिटल लर्निंग तकनीक और समाज के साथ सामंजस्य बिठाने में सहायक है। कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया इलाहाबाद चैप्टर के उपाध्यक्ष डा. मिथिलेश मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होनें कहा आज की तकनीक का सरोकार फेस टू फेस है। शिक्षक और शिक्षार्थी की आमने सामने बैठना ही होगा। संस्थान के सचिव डा. के. के. तिवारी ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के मिशन को आगे बढ़ाना होगा। स्वच्छ भारत अभियान की कमान छात्रों को लेनी चाहिए। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने पेपर प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों के विषय विशेषज्ञ और छात्र–छात्राएं शामिल रहे।

5. बायोवेद कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रृंगवेरपुर, इलाहाबाद में आयोजित 19वें कृषि वैज्ञानिक एवं कृषक महाधिवेशन में सहभागिता

कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र में नवयुवकों को आकर्षित करने एवं स्वरोजगार प्रदान करने के लिए ''पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था एवं मूल्यवर्द्धित प्रौद्योगिकी'' के प्रयोग की संभावनाओं पर 19वां कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषकों का महाविधेशन सम्पन्न हुआ। बायोवेद कृषि प्रौद्योगिकी सभागार में शनिवार को आयोजित उक्त महाधिवेश में विशेषज्ञों का जमघट हुआ, जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 राजेन्द्र प्रसाद ने की।

मुख्य अतिथि इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रतनलाल हांगलू ने कहा कि कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, जरूरत है उसका सही प्रयोग करने की। परंपरागत खेती के बजाय बदलाव करके अच्छा पैसा कमाया जा सकता है।

आयोजन सचिव एवं बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक डॉ0 वी0के0 द्विवेदी ने कहा कि अधिवेशन का मकसद कृषि के विभिन्न स्वरूपों से लोगों को जोड़ना है। डा. यू0एस0 शर्मा ने स्वरोजगार के संसाधनों पर प्रकाश डाला। डा0 डी.डी. पात्रा ने कहा कि तकनीक से जुड़कर युवा कम समय में अधिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं। डा0 केपी सिंह ने कृषि व पशु पालन में बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डा0 ए0एस0 नंदा, डा0 जे0 कुमार, डा0के0बी0 पाण्डेय, प्रो0 आर.पी. मिश्र, डा0 सीमा बहाव, डा0 अख्तर हसीब ने अनेक बहुमूल्य विचार व्यक्त किये।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का अन्तर-विश्वविद्यालयीय सहयोग

1. उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के 'हिमालय अध्ययन संस्थान' में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का मुख्य व्याख्यान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की आर्थिक सहायता से क्षेत्रीय अध्ययन हेतु उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में स्थापित **"Centre for Himalayan Studies"** द्वारा दिनांक 5–6 जनवरी, 2017 को **"Enviornmental Changes in the Himalayas and Neighbourhood : Trends, Challenges and Implications"** विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने मुख्य व्याख्यान (Key-Note Address) दिया और राज्य विश्वविद्यालय में ऐसे क्षेत्रीय अध्ययन, की महत्ता और स्थापना पर बल दिया। इस अवसर पर नेपाल और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिभागी और विशेषज्ञों ने सहभागिता की। संगोष्ठी के दौरान हिमालय अध्ययन केन्द्र की वर्तमान निदेशक प्रो0 मैत्रेयी चौधरी और पूर्व–निदेशक प्रो0 कारूबाकी दत्ता ने आगतों का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, के रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ प्रो0 राकेश दत्ता ने की।

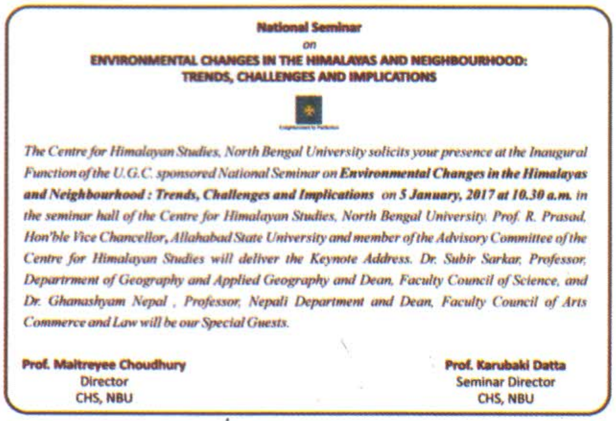

National Seminar
on
ENVIRONMENTAL CHANGES IN THE HIMALAYAS AND NEIGHBOURHOOD: TRENDS, CHALLENGES AND IMPLICATIONS

The Centre for Himalayan Studies, North Bengal University solicits your presence at the Inaugural Function of the U.G.C. sponsored National Seminar on ***Environmental Changes in the Himalayas and Neighbourhood : Trends, Challenges and Implications*** *on* ***5 January, 2017 at 10.30 a.m.*** *in the seminar hall of the Centre for Himalayan Studies, North Bengal University. Prof. R. Prasad, Hon'ble Vice Chancellor, Allahabad State University and member of the Advisory Committee of the Centre for Himalayan Studies will deliver the Keynote Address. Dr. Subir Sarkar, Professor, Departrment of Geography and Applied Geography and Dean, Faculty Council of Science, and Dr. Ghanashyam Nepal , Professor, Nepali Department and Dean, Faculty Council of Arts Commerce and Law will be our Special Guests.*

Prof. Maitreyee Choudhury
Director
CHS, NBU

Prof. Karubaki Datta
Seminar Director
CHS, NBU

2. उ0प्र0रा0ट0 मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित "Emerging Trends in" ICT" विषयक संगोष्ठी में सहभागिता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 30-31 जनवरी 2017 को 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन आईसीटी' विषय पर द्वि-दिवसीय सेमिनार का आयोजित किया गया था। इसके उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि सूचना एवं संचार क्रान्ति ने आज पूरे विश्व को गांव में बदल दिया है। समाज के सामने यह प्रौद्योगिकी बहुत चुनौतीपूर्ण है। अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर.पी. मिश्र ने की। अतिथियों का स्वागत सेमिनार की संयोजक डॉ. श्रुति ने किया।

3. डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में शुरू हो रहे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, जिसके अन्तर्गत उन्होंने उच्च शिक्षा के विविध आयामों पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में हर सूचना ज्ञान नहीं हो सकती। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उदात्त जीवन मूल्यों का समन्वय जरूरी है, जिससे समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गुणसम्पन्न शिक्षित–प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार की जा सके। इस अवसर पर यू0जी0सी0 ह्यूमन रिसोर्स सेंटर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो0 आर0 के0 सिंह, पुनश्चर्या कार्यक्रम समन्वयक प्रो0 सुजाता रघुवंश और प्रो0 पी0के0 साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

'टाउन और गाउन' के मध्य शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सम्बन्धों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों में सहभागिता

1. आर्य कन्या इण्टर कालेज वार्षिकोत्सव ''अभ्युदय'' का उद्घाटन

04 फरवरी, 2017 को आर्य कन्या इण्टर कालेज के वार्षिकोत्सव ''अभ्युदय'' के शुभ अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न प्रकार की कलाओं का प्रदर्शन कर सबको मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस

अवसर पर छात्राओं द्वारा महाकवि कालिदास द्वारा रचित ''अभिज्ञान शाकुन्तलम्'' नाटक का अत्यन्त भाव–प्रवण विधि से मंचन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने प्रतिभागियों एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया।

2. शैमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल के ''वार्षिकोत्सव'' का उद्घाटन

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। 11 फरवरी 2017 को नैनी स्थित शैमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल के वार्षिकोत्सव 'गूंज 2017' में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। स्कूल निदेशक ज्ञानेश्वर तिवारी व प्रधानाचार्या सिंथिया डी क्रूज ने मुख्य अतिथि को बुके भेंट किए। मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा देखते ही बन रही है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना की। बच्चों ने कठपुतली नृत्य पेश किया तो लोग रोमांचित हो उठे। इसके बाद रेन डांस, तांडव नृत्य, ग्रुप डांस व गीत प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इस मौके पर शिक्षण स्टाफ एवं हजारों की संख्या में अभिभावक और अतिथिगण मौजूद थे।

3. भारत स्काउट और गाइड इण्टर कॉलेज, इलाहाबाद वार्षिकोत्सव में सहभागिता

भारत स्काउट और गाइड इण्टर कॉलेज, इलाहाबाद 17 फरवरी, 2017 के वार्षिकोत्सव समारोह के शुभ अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विविध प्रकार के रचनात्मक कलाओं द्वारा प्रदर्शन कर सबको मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर देशभक्ति से ओत–प्रोत कई प्रस्तुतियाँ की गयीं और मानव जीवन के विविध पक्षों को उकेरते कविता–पाठ भी हुए।

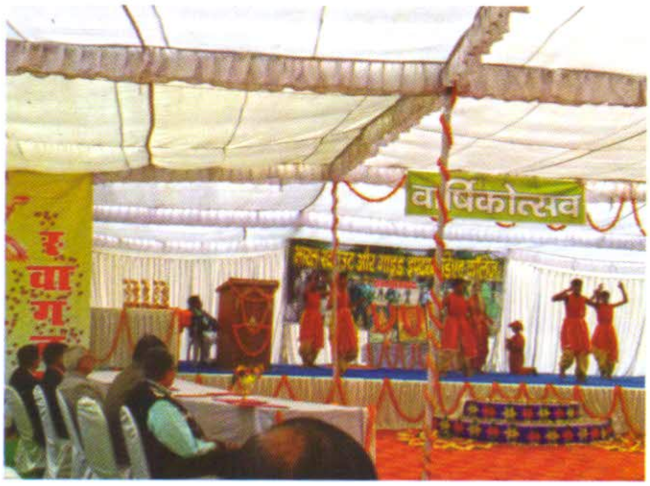

स्नातक के हर विषय में एक पेपर बहुविकल्पीय

एएसयू चुनाव आयोग से मांगेगा चयन की इजाजत

नवीन सुविधाओं से समृद्ध होगा इलाहाबाद राज्य विवि

शंभूनाथ इंस्टीट्यूट में दो दिवसीय सेमिनार

इलाहाबाद (ब्यूरो)। शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया इलाहाबाद चैप्टर के सहयोग से नेशनल सेमिनार ऑन इनोवेशन इन डिजिटल लर्निंग पर दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन एसआईईटी, सीएसआई स्टूडेंट चैप्टर ने किया। मुख्य अतिथि वाइस चांसलर, इलाहाबाद विवि प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने दीप जलाकर संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा नवीनता और सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा तेजी से आगे बढ़ सकती है। विशिष्ठ अतिथि डायरेक्टर एमएमएनआईटी राजीव त्रिपाठी ने कहा कि इनोवेशन के साथ सुरक्षा की भी आवश्यकता है। अतिथियों का स्वागत संस्था के सचिव डॉ. केके तिवारी ने किया। इस मौके पर प्रो. मिथिलेश मिश्रा सिस्टम एडमिन ट्रिपल आईटी ने किया। इस मौके पर डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. जेपी साहू, डीपी अग्निहोत्री, जेपी मिश्रा, डीके द्विवेदी, आरके सिंह, नामिर अल हसन, आशुतोष श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

साइबर सिक्युरिटी का ज्ञान आवश्यक

इलाहाबाद राज्य विवि में दीपायन आयोजित

वार्षिकोत्सव में गिनाईं उपलब्धियां

इलाहाबाद (ब्यूरो)। राज्य विश्वविद्यालय के स्थापना सत्र में ही वार्षिक समारोह का आगाज हुआ। शुक्रवार को आयोजित समारोह 'दीपायन' में कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद ने विश्वविद्यालय की योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम को कुलसचिव संजय कुमार, वित्त अधिकारी धर्मेंद्र प्रकाश त्रिपाठी, उप कुलसचिव दीप्ति मिश्रा आदि ने भी संबोधित किया।

कठपुतली नृत्य देख दर्शक रोमांचित

भावनात्मक एकता से ही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा

पुस्तक मेले का अवलोकन करते कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद व अतिथिगण।

'पुस्तकें ज्ञान का भंडार'

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में मंगलवार से तीन दिवसीय पुस्तक मेले का उद्घाटन हुआ।

सीपीआई कैंपस में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें प्रमुख रूप से कला, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान, वाणिज्य, विधि आदि विषयों की पुस्तकों का संकलन किया गया। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं। छात्रों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़नी चाहिए। पुस्तकों के ज्ञान से भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, छात्रों के ज्ञानार्जन के लिए पुस्तकों की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कुलसचिव संजय कुमार, उप कुलसचिव दीप्ति मिश्रा, वित्त अधिकारी धर्मेंद्र त्रिपाठी और प्रो. जोसेन पाल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ASU inks pact with IIT-Mumbai

Allahabad: To impart training in computers to students, Allahabad State University (ASU) has signed a memorandum of understanding (MOU) with IIT-Mumbai. The short-term course would be for free.

ASU vice-chancellor Prof Rajendra Prasad said we would run only PG and research courses in our university. Six new courses to be added from the next academic session, include forensic science, law, education, environmental science and applied sciences.

राज्य विवि में काव्य पाठ संग पुस्तक मेला संपन्न

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) के प्रशासनिक भवन में लगे पुस्तक मेला का समापन गुरुवार को कवि सम्मेलन के साथ हुआ। इसमें नजर इलाहाबादी, अमित जौनपुरी, शाहिद सफर, राकेश दिलबर, नरेंद्र सिंह, रुस्तम इलाहाबादी, डॉ. नायाब बलियावी, शैलेंद्र मधुर, जावेद शोहरत एवं कवित्री प्रीता बाजपेई और शोभा श्रीवास्तव ने अपनी रचनाएं सुनाईं। संचालन कवि शैलेंद्र मधुर ने किया। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने सभी कवियों को स्मृति चिह्न दिया। इस मौके पर कुलसचिव संजय कुमार सहित विश्वविद्यालय के अन्य अफसर, शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

प्रो. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय

आज विज्ञान उद्योग बन चुका है : कुलपति

साइबर सिक्योरिटी है बड़ी चुनौती: प्रो. राजेंद्र

इलाहाबाद (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि की विज्ञान विद्याशाखा की ओर से इमर्जिंग ट्रेंड्स इन आईसीटी विषय पर दो दिनी सेमिनार सोमवार को शुरू हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी अन्य क्षेत्रों के साथ कानून व्यवस्था में भी उपयोगी है। अब सभी सूचनाएं ऑनलाइन हो रही हैं। इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि साइबर सिक्योरिटी बड़ी चुनौती है। कार्यक्रम को इविवि के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आरपी मिश्र, डॉ. आरपीएस यादव आदि ने संबोधित किया। 80 प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। संयोजक डॉ. श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। मारिया ने कार्यक्रम तथा डॉ. जीके द्विवेदी ने विवि के बारे में जानकारी दी। डॉ. आशुतोष गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

तीन दिवसीय पुस्तक मेले का हुआ समापन

हर क्षेत्र में है आईसीटी का महत्वपूर्ण योगदान

राज्य विवि में मिलेगा पीएचडी का मौका

इलाहाबाद (ब्यूरो)। जेआरएफ और नेट के बाद पीएचडी के लिए भटक रहे छात्र-छात्राओं की परेशानी अब थोड़ी कम होगी। राज्य विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से पीएचडी कोर्स शुरू करने की तैयारी है। हालांकि फिलहाल पीएचडी उन्हीं विषयों में होगी जिनमें अध्यापकों की नियुक्ति हो जाएगी। विश्वविद्यालय में अध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि नया सत्र शुरू होने से पहले भर्ती करने की कोशिश है।

अनुमति मिले तो शुरू हो इंटरव्यू

राज्य विवि शिक्षक भर्ती के लिए चुनाव आयोग को लिखेगा पत्र

कैंपस

परिणाम घोषित

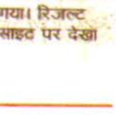

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव के अनुसार बीएएलएलबी प्रथम सेमेस्टर का परीक्षाफल बुधवार को घोषित कर दिया गया। रिजल्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

इलाहाबाद राज्य विवि से सम्बद्ध हुए 546 कालेज

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for higher learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will evolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of higher education by creating an environment in which students' success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfil the skill developmnent and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic, and intellectual development in India and abroad in the Age of Globalisation.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad Sate University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is bound to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfil the diverse needs of students' community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.